Media Coverage of the National Conference of State Agriculture and Horticulture Ministers on 14.07.2022 at Bangalore in Karnataka

१०१८ एफपीओ को ३७ करोड़ रु. से ज्यादा का इक्विटी अनुदान जारी

प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स (पीओपी) का शुभारंभ, ई-नाम की कॉफी टेबल बुक का विमोचन, केंद्रीय कृषि मंत्री, रसायन व उर्वरक मंत्री एवं कर्नाटक के मुख्यमंत्री के आतिथ्य में आयोजन

बेंगलुरू/नई दिल्ली,। कर्नाटक के बेंगलुरु में आज राज्यों के किष और बागवानी मंत्रियों के सम्मेलन के अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राष्ट्रीय कृषि बाजार/National Agriculture Market (ई-नाम) के तहत प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स (पीओपी) का शुभारंभ किया। साथ ही, लगभग साढे 3 लाख किसानों को लाभान्वित करने के लिए उनके 1018 कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को 37 करोड़ रुपये से अधिक का इक्विटी अनुदान जारी

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री तोमर के साथ ही कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई, केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री डा. मनसुख मांडविया, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी व सश्री शोभा करंदलाजे, कर्नाटक के कृषि मंत्री श्री बी.सी. पाटिल, राज्यों के मंत्री, केंद्रीय कृषि सचिव श्री मनोज अहजा व संयुक्त सचिव सुश्री विजयलक्ष्मी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजद थे।

पीओपी की शुरूआत होने से किसानों को उपज राज्य की सीमाओं से बाहर बेचने में सुविधा होगी। इससे कई बाजारों, खरीददारों, सेवा प्रदाताओं तक किसानों की डिजिटल रूप से पहुंच बढेगी और मुल्य खोज तंत्र, गुणवत्ता के अनुरूप मूल्य प्राप्ति में सुधार के उद्देश्य से व्यापार लेन-देन में पारदर्शिता आएगी। पीओपी पर विभिन्न



मुल्य श्रृंखला सेवाओं जैसे व्यापार, परख, भंडारण, फिनटेक, बाजार की जानकारी, परिवहन आदि की सुविधा देने वाले विभिन्न प्लेटफार्मों के 41 सेवा प्रदाताओं को शामिल किया गया है। पीओपी से डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार होगा, जिससे कृषि मुल्य श्रृंखला के विभिन्न खंडों में अलग-अलग प्लेटफार्मों की विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा।

सेवाएं शामिल हैं), लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता, गणवत्ता परख सेवा प्रदाता, सफाई, ग्रेडिंग, छंटाई और पैकेजिंग सेवा प्रदाता, प्रौद्योगिकी सक्षम वित्त व बीमा सेवा प्रदाता, सुचना जिसे गुगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है।



प्रसार पोर्टल (सलाहकार सेवाएं, फसल अनुमान, मौसम अद्यतन, किसानों के लिए क्षमता निर्माण आदि), अन्य प्लेटफार्म (ई-कॉमर्स, अंतरराष्ट्रीय कृषि-व्यापार प्लेटफॉर्म, वस्त विनिमय, निजी बाजार प्लेटफॉर्म आदि) शामिल हैं।

विभिन्न सेवा प्रदाताओं के शामिल होने से न केवल ई-नाम प्लेटफॉर्म के मूल्य में वृद्धि होती है, बल्कि प्लेटफॉर्म के उपयोगकर्ताओं को विभिन्न सेवा प्रदाताओं से सेवाएं प्राप्त ई-नाम ÷प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स÷ के रूप में सेवा करने के विकल्प मिलते हैं। यह किसानों. एफपीओ. प्रदाताओं के मंच का एकीकरण करता है, जिसमें समग्र व्यापारियों व अन्य हितधारकों को एकल खिडकी के सेवा प्रदाता (सेवा प्रदाता जो कृषि उपज के व्यापार के माध्यम से कृषि मृल्य श्रृंखला में विभिन्न प्रकार की वस्तओं लिए समग्र सेवाएं प्रदान करते हैं, जिसमें गुणवत्ता परख, और सेवाओं तक पहुंचने में सक्षम बनाता है, जिससे व्यापार, भगतान प्रणाली और लॉजिस्टिक्स से संबंधित हितधारकों के पास अधिक विकल्प होते हैं। इसके अलावा, अच्छी कोटि की वस्त/सेवा प्रदाता का चयन करते समय, हितधारकों का समय और श्रम कम लगता है। पीओपी तक प्रदाता, भंडारण सुविधा सेवा प्रदाता, कृषि आदान सेवा ई-नाम मोबाइल ऐप के माध्यम से पहुंचा जा सकता है

श्री तोमर ने 10 हजार एफपीओ के गठन के लिए सीएसएस के तहत 1018 एफपीओ को 37 करोड़ रु. से अधिक का इक्किटी अनुदान जारी किया, जिससे लगभग साढे 3 लाख किसान लाभान्वित होंगे। केंद्र सरकार से समान इक्किटी अनुदान द्वारा अनुपूरित निर्माता सदस्यों की इक्रिटी से एफपीओ का वित्तीय आधार सुदृढ़ होगा और उन्हें अपनी परियोजनाओं एवं व्यवसाय विकास हेत कार्यशील पुंजी आवश्यकताओं के लिए वित्तीय संस्थानों से ऋण लेने में मदद मिलेगी। योजना के तहत एफपीओ को 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रति एफपीओ 18 लाख रु. तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अलावा, प्रति एफपीओ 15 लाख रु. की सीमा के साथ एफपीओ के प्रत्येक किसान सदस्य के लिए 2 हजार रु. तक के समतल्य अनुदान व पात्र ऋणदाता संस्थान से प्रति एफपीओ के लिए 2 करोड़ रु. के परियोजना ऋण तक की ऋेडिट गारंटी सुविधा का प्रावधान है ताकि संस्थागत ऋण पहंच सनिश्चित हो सके।

कृषि मंत्री द्वारा विमोचित ÷कॉफी टेबल बुक÷ नवाचार और प्रौद्योगिकी के माध्यम से देश में कृषि उत्पादों के व्यापार में पारदर्शिता व दक्षता लाने में ई-नाम के प्रयास और यात्रा को प्रदर्शित करती है। ई-नाम पर कॉफी टेबल बुक एपीएमसी मॅडियों के डिजिटलीकरण की सुविधा द्वारा किसानों और हितधारकों के लाभों तथा सफलता को प्रदर्शित करने पर केंद्रित है।

1018 एफपीओं को 37 करोड़ रु. से ज्यादा का इक्विटी अनुदान जारी

केंद्रीय कृषि मंत्री, रसायन व उर्वरक मंत्री एवं कर्नाटक के मुख्यमंत्री के आतिथ्य में आयोजन

बेंगलुरू/नई दिह्नी • एजेंसी प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्मस (पीओपी) का शुभारंभ, ई-नाम की कॉफी टेबल बुक का विमोचन

कर्नाटक के बेंगलुरु में आज राज्यों के कृषि और बागवानी मंत्रियों के सम्मेलन के अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राष्ट्रीय कृषि बाजार/National Agriculture Market (ई-नाम) के तहत प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स (पीओपी) का शुभारंभ किया। साथ ही, लगभग साढ़े 3 लाख किसानों को लाभान्वित करने के लिए उनके 1018 कषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को 37 करोड़ रुपये से अधिक का इक्विटी अनुदान जारी किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री तोमर के साथ ही कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई, केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री डा. मनसुख मांडविया, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी व सुश्री शोभा करंदलाजे, कर्नाटक के कृषि मंत्री श्री बी.सी. पाटिल, राज्यों के मंत्री, केंद्रीय कृषि सचिव श्री मनोज अहजा व संयुक्त सचिव सुश्री विजयलक्ष्मी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

पीओपी की शुरूआत होने से किसानों को उपज राज्य की सीमाओं से बाहर बेचने में सुविधा होगी।



इससे कई बाजारों, खरीददारों, सेवा प्रदाताओं तक किसानों की डिजिटल रूप से पहुंच बढ़ेगी और मूल्य खोज तंत्र, गुणवत्ता के अनुरूप मूल्य प्राप्ति में सुधार के उद्देश्य से व्यापार लेन-देन में पारदर्शिता आएगी। पीओपी पर विभिन्न मूल्य श्रृंखला सेवाओं जैसे व्यापार, परख, भंडारण, फिनटेक, बाजार की जानकारी, परिवहन आदि की सविधा देने वाले विभिन्न प्लेटफार्मों के 41 सेवा प्रदाताओं को शामिल किया गया है। पीओपी से डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार होगा, जिससे कृषि मूल्य श्रृंखला के विभिन्न खंडों में अलग-अलग प्लेटफार्मों की विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा।

ई-नाम प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स के रूप में सेवा प्रदाताओं के मंच का एकीकरण करता है, जिसमें समग्र सेवा प्रदाता (सेवा प्रदाता जो किष उपज के व्यापार के लिए समग्र सेवाएं प्रदान करते

हैं, जिसमें गणवत्ता परख, व्यापार, भगतान प्रणाली और लॉजिस्टिक्स से संबंधित सेवाएं शामिल हैं), लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता, गुणवत्ता परख सेवा प्रदाता, सफाई, ग्रेडिंग, छंटाई और पैकेजिंग सेवा प्रदाता, भंडारण सुविधा सेवा प्रदाता, कृषि आदान सेवा प्रदाता, प्रौद्योगिकी सक्षम वित्त व बीमा सेवा प्रदाता. सचना प्रसार पोर्टल (सलाहकार सेवाएं. फसल अनुमान, मौसम अद्यतन, किसानों के लिए क्षमता निर्माण आदि), अन्य प्लेटफार्म (ई-कॉमर्स, अंतरराष्ट्रीय कृषि-व्यापार प्लेटफॉर्म, वस्तु विनिमय, निजी बाजार प्लेटफॉर्म आदि) शामिल हैं। विभिन्न सेवा प्रदाताओं के शामिल होने से न केवल ई-नाम प्लेटफॉर्म के मूल्य में वृद्धि होती है, बल्कि प्लेटफॉर्म के उपयोगकर्ताओं को विभिन्न सेवा प्रदाताओं से सेवाएं प्राप्त करने के विकल्प

१०१८ एफपीओ को ३७ करोड़ रु. से ज्यादा का इक्विटी अनुदान जारी

केंद्रीय कृषि मंत्री, रसायन व उर्वरक मंत्री एवं कर्नाटक के मुख्यमंत्री के आतिथ्य में आयोजन

प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्मस (पीओपी) का शभारंभ, ई-नाम की कॉफी टेबल बुक का

वेंगलुरू/नई दिद्धी ● दैनिक अर्जन सम्राट

प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स थे। 1018 क्षक उत्पादक संगठनों कई बाजारों, खरीददारों, सेवा

(एफपीओ) को 37 करोड़ रुपये से अधिक का इक्रिटी अनदान जारी किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री तोमर के साथ ही कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई, केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री डा. मनसख मांडविया, केंद्रीय कपि एवं कर्नाटक के बेंगलुरु में आज किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री राज्यों के कपि और बागवानी मत्रियों कैलाश चौधरी व सुश्री शोभा



कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र बी.सी. पाटिल, राज्यों के मंत्री, केंद्रीय रूप से पहुंच बहुंगी और मूल्य खोज शामिल किया गया है। पीओपी से प्रदाता जो कृषि उपज के व्यापार के आदान सेवा प्रदाता, प्रौद्योगिकी सक्षम सिंह तोमर ने राष्ट्रीय कृषि स्विव श्री मनोज अहूजा व तंत्र, गुणवत्ता के अनुरूप मूल्य प्राप्ति डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार लिए समग्र सेवाएं प्रदान करते हैं, वित्त व बीमा सेवा प्रदात, सूचना बाजार/National Agriculture संयुक्त सचिव सुश्री विजयलक्ष्मी में सुधार के उद्देश्य से व्यापार लेन- होगा, जिससे कृषि मूल्य श्रृंखला के जिसमें गुणवत्ता परख, व्यापार, प्रसार पोर्टल (सलाहकार सेवाएं, Market (ई-नाम) के तहत साहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद देन में पारदरिता आएं।। पीओपी पर विभिन्न खंडों में अलग-अलग भुगतान प्रणाली और लॉजिस्टिक्स से फसल अनुमान, मौसम अद्यतन, विभिन्न मुख्य श्रृंखला सेवाओं जैसे प्लेटफार्मों की विशेषज्ञता का लाभ संबंधित सेवाएं शामिल हैं), किसानों के लिए क्षमता निर्माण (पीओपी) का शुभारंभ किया। साथ पीओपी की शुरूआत होने से व्यापा, परख, भंडारण, फिनटेक, मिलेगा। ई-नाम प्लेटफॉर्म ऑफ लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदात, गुणवता आदि), अन्य प्लेटफार्म (ई-कॉमर्स, ही, लगभग साढ़े 3 लाख किस्सनों को किसानों को उपज राज्य की सीमाओं बाजार की जानकारी, परिवहन आदि प्लेटफॉर्म्स के रूप में सेवा प्रवाताओं परख सेवा प्रवाता, सफाई, ग्रेडिंग, अंतरराष्ट्रीय कृषि-व्यापार प्लेटफॉर्म,

प्लेटफॉर्म आदि) शामिल हैं। विभिन्न गुगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया माध्यम से पहुंचा जा सकता है जिसे

सेवा प्रदाताओं के शामिल होने से न जा सकता है।श्री तोमर ने 10 हजार केवल ई-नाम प्लेटफॉर्म के मल्य में एफपीओ के गठन के लिए सीएसएस वृद्धि होती है, बल्कि प्लेटफॉर्म के के तहत 1018 एफपीओ को 37 उपयोगकर्ताओं को विभिन्न सेवा करोड़ रु. से अधिक का इक्रिटी प्रदाताओं से सेवाएं प्राप्त करने के अनुदान जारी किया, जिससे लगभग विकल्प मिलते हैं। यह किसानों, साढे 3 लाख किसान लाभान्वित होंगे। एफपीओ, व्यापारियों व अन्य केंद्र सरकार से समान इक्विटी अनदान हितधारकों को एकल खिडकी के द्वारा अनुपरित निर्माता सदस्यों की माध्यम से कपि मुल्य श्रृंखला में इक्रिटी से एफपीओ का वित्तीय विभिन्न प्रकार की वस्तुओं और आधार सुदृढ़ होगा और उन्हें अपनी सेवाओं तक पहुंचने में सक्षम बनाता परियोजनाओं एवं व्यवसाय विकास है, जिससे हितधारकों के पास अधिक हेत् कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं विकल्प होते हैं। इसके अलावा, के लिए वित्तीय संस्थानों से ऋण लेने अच्छी कोटि की वस्त/सेवा प्रदाता का में मदद मिलेगी। योजना के तहत चयन करते समय, हितधारकों का एफपीओ को 3 वर्ष की अवधि के समय और श्रम कम लगता है। लिए प्रति एफपीओ 18 लाख रु. तक लाभान्वत करने के लिए उनके से बाहर बेचने में सुविधा होगी। इससे की सुविधा देने वाले विभिन्न के मंच का एकीकरण करता है, छंटाई और फैकीकंग सेवा प्रदाता, चस्तु विनिमय, निजी बाजार पीओपी तक ई-नाम मोबाइल ऐप के की वितीय सहयता प्रदान की जाएगी।

प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स (पीओपी) का शुभारंभ, ई-नाम की कॉफी टेबल बुक का विमोचन





बेंगलुरू/नई दिल्ली। कर्नाटक के बेंगलुरु में आज राज्यों के कृषि और बागवानी मंत्रियों के सम्मेलन के अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राष्टीय किषि बाजार/National Agriculture Market (ई-नाम) के तहत प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स (पीओपी) का शभारंभ किया। साथ ही, लगभग साढे 3 किसानों को लाभान्वित करने के लिए 1018 कृषक उत्पादक संगठनों उनके 1018 कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को 37 करोड़ रुपये से अधिक का (एक्पाजा) का 37 कराड़ स्पय से आवक का इक्किटी अनुदान जारी किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री तोमर के साथ ही कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई, केंद्रीय रसायन एवं उर्जरक मंत्री डा. मनसुख मांडविया, केंद्रीय कृषि एवं किसान करवाण राज्य मंत्री श्री कैलाश चीधरी व सुश्री शोभा करंदलाजे, कर्नाटक के कृषि मंत्री श्री श्री.सी. पाटिल, राज्यों के मंत्री, केंद्रीय कृषि सांचिव श्री मनोज अहुजा व संयुक्त सचिव सुश्री विजयलक्ष्मी सहित अन्य वर्राय अधिकारों मौजुट थे। पीओपी की शुरूआत होने से किसानों को उपज राज्य की सीमाओं से बाहर बेचने में सुविधा होगी। इससे कई बाजारों, खरीरदारों, सेवा प्रदाताओं तक किसानों की खिजटल रूप से पहुंच बढ़ेगी और मल्य खोज तंत्र गणवता के अनरूप सल्य एवं उर्वरक मंत्री डा. मनसुख मांडविया, केंद्रीय और मूल्य खोज तंत्र, गुणवत्ता के अनुरूप मूल्य प्राप्ति में सुधार के उद्देश्य से व्यापार लेन-देन में

केंद्रीय कृषि मंत्री, रसायन व उर्वरक मंत्री एवं कर्नाटक के मुख्यमंत्री के आतिथ्य में आयोजन

पारदर्शिता आएगी। पीओपी पर विभिन्न मुल्य सेवाओं जैसे व्यापार, परख, भंडारण, फिनटेक, बाजार की जानकारी, परिवहन आदि निरान्टक, बाजार का जानकार, बार्ल्सन जानक की सुविधा देने वाले विभिन्न प्लेटफार्मों के 41 सेवा प्रदाताओं को शामिल किया गया है। पीओपी से डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार होगा, जिससे कृषि मूल्य श्रृखता के विभिन्न खंडों में अलग-अलग प्लेटफार्मों की विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा। ई-नाम "प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स" के

इन्तान प्रटाजान आफ प्राटफानूस क रूप में सेवा प्रदाताओं के मंच का एकीकरण करता है, जिसमें समग्र सेवा प्रदाता (सेवा प्रदाता जो कृषि उपज् के व्यापार के लिए समग्र अवारी जो कृषि उपजे के ज्यारी से करिए से से सेवाएं प्रदान करते हैं, जिसमें गुणवत्ता परख, व्यापार, भुगतान प्रणाली और लॉजिस्टिक्स से संबंधित सेवाएं शामिल हैं), लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता, गुणवत्ता परख सेवा प्रदाता, सफाई, ग्रेडिंग, छंटाई और पैकेजिंग सेवा प्रदाता, भंडारण सुविधा सेवा प्रदाता, कृषि आदान सेवा प्रदाता, ग्रीडोगिकी सक्षम वित्त व बीमा सेवा प्रदाता, सूचना प्रसार पोर्टल (सलाहकार सेवाएं, फसल अनुमान, मौसम अद्यतन, किसानों के

लिए क्षमता निर्माण आदि), अन्य प्लेटफार्म लिए क्षमता निर्माण आदि), अन्य प्लेटफार्म (ई-कॉम्पर्स, अंतरराष्ट्रीय कृषि-व्यापार प्लेटफॉर्म, वस्तु विनिमय, निजी बाजार प्लेटफॉर्म आदि) शामिल हैं। विभिन्न सेवा प्रदाताओं के शामिल होने से न केवल ई-नाम प्लेटफॉर्म के मूल्य में वृद्धि होती

है, बल्कि प्लेटफॉर्म के उपयोगकर्ताओं को विभिन्न सेवा प्रदाताओं से सेवाएं प्राप्त करने के विभन्न सेवा प्रदाताओं से सेवाएं प्राप्त करने के विकरूप मिलते हैं। यह किसानों, एफपीओ, व्यापारियों व अन्य हितधारकों को एकल विडकी के माध्यम से कृषि मृत्य श्रृंबला में विभिन्न प्रकार की वस्तुओं और सेवाओं तक पहुंचने में सक्षम बनाता है, जिससे हितधारकों के पास अधिक विकल्प होते हैं। इसके अलावा अच्छी कोटि की वस्तु/सेवा प्रदाता का चयन करते समय, हितधारकों का समय और श्रम कम लगता है।

पीओपी तक ई-नाम मोबाइल ऐप के से पहुंचा जा सकता है जिसे गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। श्री तोमर ने 10 हजार एफपीओ के गठन के लिए

करोड़ रु. से अधिक का इक्किटी अनुदान जारी किया, जिससे लगभग साढ़े 3 लाख किसान

लाभान्वित होंगे। केंद्र सरकार से समान इक्विटी अनुदान द्वारा अनुपूरित निर्माता सदस्यों की इक्रिटी से एफपीओ का वित्तीय आधार सुदृढ़ होगा और उन्हें अपनी परियोजनाओं एवं व्यवसाय विकास हेतु कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के लिए वित्तीय संस्थानों से ऋण लेने में मदद मिलेगी। योजना के तहत एफपीओ को 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रति एफपीओ 18 लाख रु. तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अलावा, प्रति एफपीओ 15 लाख रु. की सीमा के साथ एफपीओ के प्रत्येक किसान सदस्य के लिए 2 हजार रु. तक के समतुल्य अनुदान व पात्र ऋणवाता संस्थान से प्रति एफपीओं के लिए 2 करोड़ रु. के परियोजना ऋण तक की केडिट गारंटी सुविधा का प्रावधान है ताकि संस्थागत नारत सुज्या का अवस्थान है साक संस्थाना ऋण पहुंच सुनिक्षित हो सके। कृषि मंत्री द्वारा विमोचित ∻कॉफी टेबल बुक नवाचार और प्रौद्योगिकी के माध्यम से देश में कृषि उत्पादों के व्यापार में पारदर्शिता व दक्षता लाने में ई-नाम ज्वाचार ने नार्यस्ता ज प्रविधा तान ने इन्यान के प्रयास और यात्रा को प्रदर्शित करती है। ई-नाम पर कॉफी टेबल बुक एपीएमसी मंडियों के डिजिटलीकरण की सुविधा द्वारा किसानों और हितधारकों के लाभों तथा सफलता को प्रदर्शित

१०१८ एफपीओ को ३७ करोड़ रूपए से ज्यादा का इक्विटी अनुदान जारी

प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स (पीओपी) का शुभारंभ, ई-नाम की कॉफी टेबल बुक का विमोचन

बॅगलुरू/नई दिल्ली, 14 जुलाई : कर्नाटक के बेंगलुरु में आज राज्यों के कृषि और बागवानी मंत्रियों के सम्मेलन के अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राष्ट्रीय कृषि बाजार(ई-नाम)के तहत प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स (पीओपी) का शुभारंभ किया। साथ ही, लगभग साढे 3 लाख किसानों को लाभान्वित करने के लिए उनके 1018 कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को 37 करोड रूपए से अधिक का इंक्विटी अनुदान जारी किया। पीओपी की शुरूआत होने से किसानों को उपज राज्य की सीमाओं से बाहर बेचने में सुविधा होगी। इससे कई बाजारों, खरीदारों, सेवा प्रदाताओं तक किसानों की डिजीटल रूप से पहुंच बढ़ेगी और मूल्य खोज तंत्र, गुणवत्ता के अनुरूप मूल्य प्राप्ति में सुधार के उद्देश्य से व्यापार लेन-देन में पारदर्शिता

ऋण वसूली ट्रिब्यूनल-॥, दिल्ली के समक्ष ्यूट, नई दिल्ली-11000 लिख : 30.06.2022(आयेदक:) धनाम चीवा तल, जीवन ताग बिल्डिन, पर्लियमेंट म्टीट, नई दिल्ली-11000

एवडी. अफाक आलग एवं अन्य (रेग्योडेंट)

शंकटर-18, बालात काम्फलनवर, पुरुवाम-122015 (दिणिया) (दिणिया) प्रांत तिहास की -66, तैयहर-63, दिणिया) प्रांत तिहास की -66, तैयहर-63, देण्डा को 5015 (पूर्व के क्षेत्र के किए की किए की किए मार्च के क्षा प्रारंत के किए की किए की किए मार्च के क्षा प्रारंत के किए की की किए क

आएगी। पीओपी पर विभानना मूल्य श्रृंखला सेवाओं जैसे व्यापार. रारखा, भांडारणा. फि नटे क बाजार की जानकारी. परिवहन आदि की सविधा देने वाला विभानना प्लेटफार्मों के



प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स (पीओपी) का शुभारंभ करते केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, साथ हैं अन्य।

41 सेवा प्रदाताओं को शामिल किया गया है। पीओपी से डिजीटल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार होगा, जिससे कृषि मूल्य श्रृंखला के विभिन्न खंडों में अलग-अलग प्लेटफार्मों की विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा। ई-नाम 'प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्सं' के रूप में सेवा प्रदाताओं के मंच का एकीकरण करता है, जिसमें समग्र सेवा प्रदाता (सेवा प्रदाता जो कृषि उपज के व्यापार के लिए समग्र सेवाएं प्रदान करते हैं), लॉजिस्टिक्स, गुणवत्ता परख, सफाई, ग्रेडिंग, छंटाई और पैकेजिंग, भंडारण सुविधा, कृषि आदान, प्रौद्योगिकी सक्षम वित्त व बीमा, सूचना प्रसार पोर्टल (सलाहकार सेवाएं, फसल अनुमान, मौसम अद्यतन, किसानों के लिए क्षमता निर्माण आदि), अन्य प्लेटफार्म(ई-कॉमर्स, अंतरराष्ट्रीय कृषि-व्यापार, वस्तु विनिमव, निजी बाजार आदि) शामिल हैं। विभिन्न सेवा प्रदाताओं के शामिल होने से न केवल ई-नाम प्लेटफॉर्म के मूल्य में वृद्धि होती है, बल्कि प्लेटफॉर्म के उपयोगकर्ताओं को विभिन्न सेवा प्रदाताओं से सेवाएं प्राप्त करने के विकल्प मिलते हैं। पीओपी तक ई-नाम मोबाइल ऐप के माध्यम से पहुंचा जा सकता है जिसे गूगल प्ले स्टोर से

डाउनलोड किया जा सकता है। तोमर ने 10 हजार एफपीओ के गठन के लिए सीएसएस के तहत 1018 एफपीओ को 37 करोड़ रुपए से अधिक का इक्विटी अनुदान जारी किया, जिससे लगभग साढे 3 लाख किसान लाभान्वित होंगे। केंद्र सरकार से समान इक्विटी अनुदान द्वारा अनुपूरित निर्माता सदस्यों की इक्विटी से एफपीओं का विलीव आधार सुदृढ़ होगा और उन्हें पंजी आवश्यकताओं के लिए वित्तीय संस्थानों से ऋण लेने में मदद मिलेगी। योजना के तहत एफपीओ को 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रति एफपीओ 18 लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अलावा, प्रति एफपीओ 15 लाख रुपए की सीमा के साथ एफपीओ के हर किसान सदस्य के लिए 2 हजार रुपए तक के समतुल्य अनदान व पात्र ऋणदाता संस्थान से प्रति एफपीओ के लिए 2 करोड़ रुपए के परियोजना ऋण तक की क्रोड़िट गारंटी सुविधा का प्रावधान है। कृषि मंत्री द्वारा विमोचित 'कॉफी टेंबल बुक' नवाचार और प्रौद्योगिकी के माध्यम से देश में कृषि उत्पादों के व्यापार में पारदर्शिता व दक्षता लाने में ई-नाम के प्रयास और यात्रा को प्रदर्शित करती है।

New services under e-NAM to help farmers access more markets

Tomar launches
Platform-of-Platforms
that widens the
ambit of e-NAM

OUR BUREAU

Bengaluru, July 14

Union Agriculture Minister, Narendra Tomar, unveiled the Platform-of-Platforms (PoP) under the National Agriculture Market (e-NAM), which will help enhance farmers' digital accessibility to multiple services and markets.

Under the new initiative, services such as assaying, storage, warehousing, sorting and grading among others will be provided through e-NAM. The e-NAM as PoP will pave way for creation of an efficient and effective "One Nation, One Market" ecosystem. Tomar said the Centre is working to improve e-NAM pro-



Narendra Singh Tomar, Union Agriculture Minister

ject further. About 1,000 APMC markets have, so far, been linked with e-NAM project, where the value of transactions has crossed ₹1.5 lakh crore, he said.

Focus on 'digital agriculture' Addressing the two-day National Conference of Agriculture and Horticulture Ministers in Bengaluru, Tomar said the government wants to promote "digital" agriculture so that farm-

ers do not have to go to the market and depend upon middlemen. In this regard, he stressed the role of technology to track agricultural produce grown on a particular field. "In the event of loss of crop due to calamities, we can instantly provide the compensation, if we create a database of crops in a particular field," he said. Further, Tomar also called upon the State ministers to promote natural farming.

At the two day conference, around 11 critical themes ranging from the release of funds, digital agriculture, natural farming, PMFBY, marketing, horticulture, innovations in fertiliser supply, PM Kisan saturation and International Year of Millets, Agriculture Infrastructure Fund, innovation in new technologies by ICAR are being discussed by the State and Central ministers and officials concerned.

१०१८ एफपीओ को ३७ करोड़ रू.से ज्यादा का इक्विटी अनुदान जारी: नरेन्द्र सिंह

· प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स (पीओपी) का शुभारंभ, ई–नाम की कॉफी टेबल बुक का विमोचन · केंद्रीय कृषि मंत्री, रसायन व उर्वरक मंत्री एवं कर्नाटक के मुख्यमंत्री के आतिथ्य में आयोजन





-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-बेंगालुरू/नई दिख्ली। कर्नाटक के बेंगलुरु में आज राज्यों के कृषि और बागवानी मंत्रियों के सम्मेलन के अवसर परकेंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राष्ट्रीय कृषि बाजार/National

Agriculture Market (ई-नाम)के तहत प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्मस (पीओप) का शुभारंभ किया। साथ ही, लगभग साढ़े 3 लाख किसानों को लाभान्तित करने के लिए उनके 1018 कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को 37 करोड़ रुपये से अधिक का इक्विटी अनुदान जारी

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री तोमर के साथ ही कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, केंद्रीय रसायन एव उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री कैलाश चौधरी व सुश्री शोभा करंदलाजे, कर्नाटक केकृषि मंत्री बी.सी. पाटिल, राज्यों के मंत्री, केंद्रीय कृषि सचिव मनोज अहूजा व संयुक्त सचिव सुश्री विजयलक्ष्मी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

पीओपी की शुरूआत होने से किसानों की उपज राज्य की सीमाओं से बाहर बेचने में पुविधा होगी। इससे कई बाजारों, खरीददारों, सेवा प्रदाताओं तक किसानों की डिजिटल रूप से पहुंच बहेगी और मुख्य खोज तंत्र, गुणवत्ता के अनुरूप मूल्य खोज तंत्र, गुणवत्ता के अनुरूप मूल्य प्राप्ति में सुधार के उद्देश्य से व्यापार लेन-देन में पारदिश्ता आएगी। पीओपी पर विभन्न मूल्य श्रृंखला सेवाओं जैसे व्यापार, परख, भंडारण, फिनटेक, बाजार की जानकारी, परिवहन आदि की सुविधा देने वाले विभन्न प्लेटफार्मों के 41 सेवा प्रदाताओं को शामिल किया गया है।

पीओपी से डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार होगा, जिससे कृषि मूल्य श्रृंखला के विभिन्न खंडों में अलग-अलग प्लेटफार्मों की विशेषज्ञता का लाभ

ई-नाम 'प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स' के रूप में सेवा प्रदाताओं के मंच का एकीकरण करता है, जिसमें समग्र सेवा प्रदाता (सेवा प्रदाता जो कृषि उपज के व्यापार के लिए समम् सेवाएं प्रदान करते हैं, जिसमें गुणवत्ता परख, व्यापार, भुगतान प्रणाली और लॉजिस्टिक्स से संबंधित सेवाएं शामिल हैं), लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता, गुणवत्ता परख सेवा प्रदाता, सफाई, ग्रेडिंग, छंटाई और पैकेजिंग सेवा प्रदाता, भंडारण सुविधा सेवा प्रदाता, कृषि आदान सेवा प्रदाता, प्रौद्योगिकी सक्षम वित्त व बीमा सेवा प्रदाता, सूचना प्रसार पोर्टल (सलाहकार सेवाएं, फसल अनुमान, मौसम अद्यतन, किसानों के लिए क्षमता निर्माण आदि), अन्य प्लेटफार्म(ई-कॉमर्स, अंतरराष्ट्रीय कृषि-व्यापार प्लेटफॉर्म, वस्तु विनिमय, निजी बाजार प्लेटफॉर्म आदि) शामिल हैं।

जातिल है।

विभिन्न सेवा प्रदाताओं के शामिल होने से न केवल ई-नाम प्लेटफॉर्म के मूल्य में वृद्धि होती है, बिल्क प्लेटफॉर्म के उपयोगकर्ताओं को विभिन्न सेवा प्रदाताओं से सेवाएं प्राप्त करने के विकल्प मिलते हैं। यह किसानों, एफपीओ, व्यापारियों व अन्य हिताधारकों को एकल खिड़की के माध्यम से कृषि मूल्य श्रृंखला में विभिन्न प्रकार की वस्तुओं और सेवाओं तक पहुंचने में सक्षम बनाता है, जिससे हितधारकों के पास अधिक विकल्प होते हैं। इसके अलावा, अच्छी कोट की वस्तु सेवा प्रदाता का चयन करते श्रेष प्रष्ट 2 पर...

17.6 MILLION FARMERS TO BENEFIT

Govt links e-NAM platform to pvt agri-services providers

41 entities to help farmers sell their produce

SANDIP DAS New Delhi, July 14

THE GOVERNMENT ON Thursday announced integration of trading, transportation, logistics, warehousing, assaying, packaging, weather forecast and fintech services provided by 41 private entities with its electronic National Agriculture Market (e-NAM), a move that would make more farmers use the online platform to sell their produce to buyers of their choice.

More than 17.6 million reg-

More than 17.6 million registered farmers, farmer producer organisations (FPOs), traders, commission agents and other stakeholders registered with the eNAM platform can avail these services provided by these private enterprises.

Entities whose digital platforms which have been integrated with eNAM include Star Agrobazaar Technology, Kisan Network, FPO Bazaar, Arya collateral, Aryadhan, Intello Lab, Bijak and Warehousing Development Regulatory Authority.

Agriculture minister Naren-



dra Singh Tomar formally launched the e-NAM platformof-platforms by stating that this would give a boost to online trade and ensure better price discovery by the platform.

According to an official with Small Farmers' Agri-Business Consortium (SFAC), which operates the eNAM, the aim behind this integration of platforms by private players under e-NAM is to make available end-to-end services to farmers along with providing a platform for price discovery.

discovery.

The official said that SFAC is aiming at bringing on board as many players so that farmers have the choice to take agri-ser-

vices after registering with e-NAM portal.

"Integration of our embedded fintech platform with eNAM will enable access to finance for historically excluded small farmers and strengthen them socioeconomically," Prasanna Rao, co-founder and CEO, Arya.ag, an agri-fintech platform, told FE.

Currently, 1,000 mandis in 22 states and Union territories are integrated into the e-NAM platform, which was launched in April 2016. At present, 17.3 million farmers, 2100 FPOs, 0226 million traders and around 0.1 million commission agents are registered with e-NAM.

However only 586 mandis are currently providing online trading services to farmers mostly within the states. Interstate trade in farm produce — a facility for a farmer in one state to sell his produce to buyers in another state — is yet to gather momentum. This is one of the chief objectives of this platform for price discovery.

Because of small land holding of the farmers, SFAC has been focussing on formation of FPOs and encouraging them participate in the e-NAM platform for collective bargaining power. SFAC launched FPO trading module during covid-19 restrictions to enable FPOs to upload their produce from collection centres, farm gate with picture and quality parameter for online bidding, without physically bringing their produce to the mandis.

Meanwhile, SFAC has

Meanwhile, SFAC has empaneled private banks such as Axis Bank, Kotak Mahindra Bank, HDFC Bank, Indusind Bank and ICICI Bank for provisioning of payment and settlement services for e-NAM transactions.

The empanelment of these banks enables collections and settlement of funds to various e-NAM registered beneficiaries across the country.